Q

Printed Pages : 4

B.A.M.S. (Ist Year) (Prof.)

Roll No. : 18307081010 33

8008

B.A.M.S. (Ist Year) (Professional) Examination, 2018

(New Course)

मौलिक सिद्धान्त एवं अष्टांग हृदय (सूत्रस्थान)-I

[Eighth Paper]

Time : Three Hours]

[Maximum Marks : 100

नोट : यह प्रश्न-पत्र तीन खण्डों अ, ब एवं स में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिये गये निर्देशों का पालन कीजिए। खण्ड अ, ब एवं स क्रमशः 40, 20 एवं 40 अंकों के हैं।

खण्ड-अ

(अति लघुउत्तरीय प्रश्न)

नोट : इस खण्ड में एक प्रश्न है, जिसके आठ उप-प्रश्न हैं। इसमें प्रत्येक उप-प्रश्न की शब्द सीमा 100 शब्द है। इस खण्ड के सभी उप-प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक उप-प्रश्न 5 अंकों का है। इस खण्ड के प्रश्न समस्त पाठ्यक्रम से होंगे।

Scanned with CamScanner

1. निम्नलिखित के उत्तर लिखिए :

(क) अष्टांग हृदय का प्रयोजन लिखते हुए आयुर्वेदावतरण क्रम का वर्णन कीजिए।

(ख) त्रिविध दोषों का वर्णन कर उनका जठराग्नि एवं कोष्ठ से सम्बन्ध स्थापित कीजिए।

(ग) 'शरीरजानां दोषाणां क्रमेण परमौषधम्, श्लोकांश की ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए।

(घ) उद्वर्तन एवं व्यायाम पर टिप्पणी लिखिए।

(ङ) वर्षा ऋतु का लक्षण एवं उसकी ऋतुचर्या का वर्णन कीजिए।

(च) वृहत्पञ्चमूल एवं लघुपञ्चमूल का वर्णन कीजिए।

(छ) अतिनिद्रा एवं अनिद्रा की चिकित्सा लिखिए।

(ज) संसर्जन-क्रम का वर्णन कीजिए।

खण्ड-ब

(लघुउत्तरीय प्रश्न)

नोट : इस खण्ड के चार प्रश्नों में से **किन्हीं दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न **10** अंकों का है। उत्तर **300** शब्दों में लिखिए। इस खण्ड में भी प्रश्न समस्त पाठ्यक्रम से होंगे।

2. वात एवं पित्त के उपक्रम लिखिए।

3. 'मलो हि देहात् उत्क्लेश्य द्रियते वाससो यथा' की सन्दर्भ सहित व्याख्या कीजिए।

4. स्थूल एवं कृश की सामान्य चिकित्सा का वर्णन कीजिए।

5. शिरोवस्ति विधि का वर्णन करते हुए इसकी उपयोगिता का वर्णन कीजिए।

खण्ड-स

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

नोट : इस खण्ड के चार प्रश्नों में से **किन्हीं दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न **20** अंकों का है। उत्तर **600** शब्दों में लिखिए। इस खण्ड में भी प्रश्न समस्त पाठ्यक्रम से होंगे।

6. 'बस्तिचिकित्सार्द्ध' को सिद्ध कीजिए।

7. सुरसादिगण, पटोलादिगण, परुषकादिगण और गुडूच्यादिगण के प्रमुख द्रव्यों के नाम एवं उपयोग लिखिए।

8. निम्नलिखित पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) प्रत्यञ्जन

(ख) प्रतिसारण

Scanned with CamScanner

(ग) अणु तैल निर्माण विधि

(घ) मात्रा वस्ति

9. अष्ट प्रकृति, तंत्र दोष, तंत्र गुण का वर्णन कीजिए।

----- x -----

Scanned with CamScanner